बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -05- 01- 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज नामधातु क्रिया के बारे में अध्ययन करेंगे ।

नामधातु क्रिया

नामधातु क्रिया की परिभाषा

संज्ञा अथवा विशेषण के साथ क्रिया जोड़ने से जो संयुक्त क्रिया बनती है, उसे 'नामधातु क्रिया' कहते हैं।

जैसे- लुटेरों ने जमीन हथिया ली। हमें गरीबों को अपनाना चाहिए।

उपर्युक्त वाक्यों में हथियाना तथा अपनाना क्रियाएँ हैं और ये 'हाथ' संज्ञा तथा 'अपना' सर्वनाम से बनी हैं। अतः ये नामधातु क्रियाएँ हैं।

इस प्रकार,

जो क्रियाएँ संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा अनुकरणवाची शब्दों से बनती हैं, वे नामधातु क्रिया कहलाती हैं।

जैसे- हाथ से हथियाना , बात से बतियाना , दुखना से दुखना , चिकना से चिकनाना , लाठी से लठियाना , लत से लतियाना , पानी से पनियाना , बिलग से बिलगाना , स्वीकार से स्वीकारना , धिक्कार से धिक्कारना , उद्धार से उद्धारना , शर्म से शरमाना , अपना से अपनाना , लज्जा से लजाना , झूठ से झुठलाना , टक्कर से टकराना , लालच से ललचाना , सठिया से सठियाना , गरम से गरमाना , अपना से अपनाना , दोहरा से दोहराना आदि।

संज्ञा शब्द व नामधातु इस प्रकार है

शर्म = शर्माना

लोभ = लुभाना

बात = बतियाना

झूठ = झुठलाना

लात = लतियाना

दुःख =दुखियाना